

1306-18

पश्चात्तः राज लोकादकालत त्रोट
 कुम्भ ग्रापे, तेसगीव मे फेरा हई
 गिरसाप्रलान पाठी नं. 1 व 2 को
 कुम्भ मे उपस्थित रहने हेतु
 जालिय जारी किमे जोति
 त्वाह तामील शामील मिसल किमे
 गये गिरसाप्रलान पाठी नं. 1 व
 2 को त्वाह आवान हिलवाथी
 गयी किन्तु गिरसाप्रलान पाठी
 नं. 1 व 2 के प्रतिमिदि वहील
 व क्वथं उपस्थित मही जाये

राज. पश्चात्तः इरम हाजिरी
 इरम परकी - मे शारिज की
 जाती ही पश्चात्तः मिसल इरम
 गानी - जाकर हाउ तामील नम्बर
 मे का हाउ शारिज देकर
 हो

महेन्द्र सिंह भादव
 उपसङ्ग अधिकारी
 कुम्भ हाउ सा.प. तखगाव